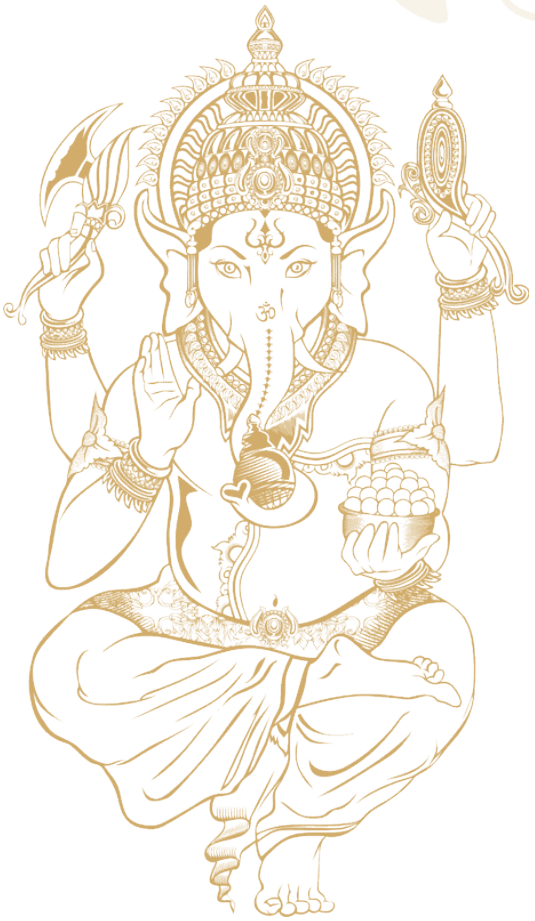

Ankur
Nikita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121380203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/12/1997	जन्म तिथि	07/01/2000
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:55:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 36:49:54	जन्म समय(घटी)	32:25:32 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Delhi
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:02	सूर्योदय	07:15:14
17:23:50	सूर्यास्त	17:39:11
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:13

विंशोत्तरी
शुक्र 7वर्ष 3मा 6दि

मंगल	
28/03/2021	
28/03/2028	
मंगल	24/08/2021
राहु	12/09/2022
गुरु	19/08/2023
शनि	27/09/2024
बुध	24/09/2025
केतु	20/02/2026
शुक्र	22/04/2027
सूर्य	28/08/2027
चन्द्र	28/03/2028

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	सिंह	04:13:20
सूर्य	धनु	04:59:50
चंद्र	सिंह	21:49:15
मंगल	मक	08:03:22
बुध	वृश्चि व	27:12:09
गुरु	मक	26:09:15
शुक्र	मक	09:21:27
शनि व	मीन	19:43:24
राहु व	सिंह	19:47:13
केतु व	कुंभ	19:47:13
हर्ष	मक	12:42:30
नेप	मक	04:43:01
प्लूटो	वृश्चि	12:31:55

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	कर्क	26:52:28
सूर्य	धनु	22:44:59
चंद्र	मक	02:05:04
मंगल	कुंभ	08:51:09
बुध	धनु	17:39:26
गुरु	मेष	01:42:40
शुक्र	वृश्चि	15:07:28
शनि व	मेष	16:27:17
राहु व	कर्क	09:48:04
केतु व	मक	09:48:04
हर्ष	मक	21:16:17
नेप	मक	09:33:38
प्लूटो	वृश्चि	17:48:40

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 6मा 22दि

राहु	
31/07/2020	
31/07/2038	
राहु	13/04/2023
गुरु	05/09/2025
शनि	12/07/2028
बुध	30/01/2031
केतु	17/02/2032
शुक्र	17/02/2035
सूर्य	12/01/2036
चन्द्र	13/07/2037
मंगल	31/07/2038

लग्न-चलित

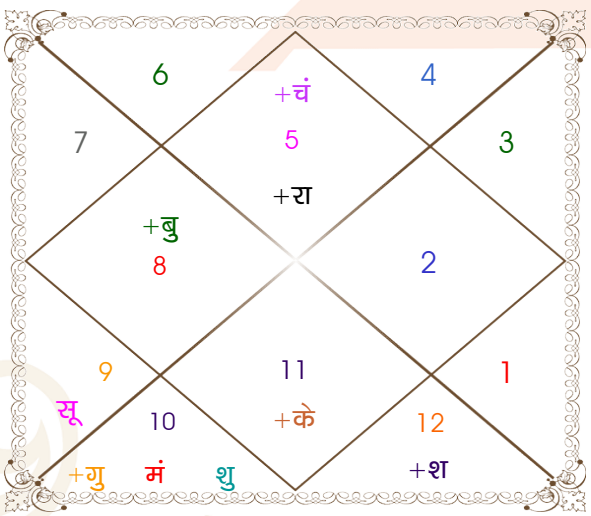

लग्न-चलित

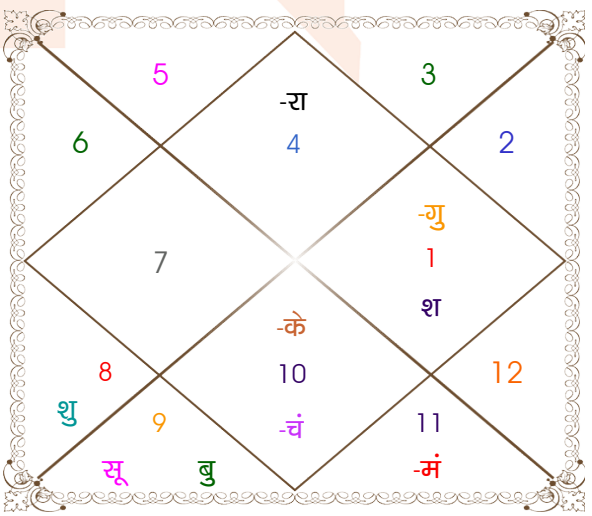

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	नकुल	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।दानत का वर्ग श्वान है तथा छपापजं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दानत और छपापजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।दानत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

छपापजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपापजं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ।दानत कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दानत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दानत तथा छपापजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।